खबर संक्षेप

कलेक्टर के द्वारा लगाये पौधे ट्री गार्ड को असामाजिक तत्वों ने उखाड़ा

दमोह। प्रकृति पर्यावरण को संरक्षण समृद्ध बनाने और भोले बाबा की नगरी बांदकपुर धाम को प्राकृतिक रूप से हरा भरा करने के उद्देश्य से शिवभक्तों प्रकृति प्रेमियों ने बांदकपुर धाम में बरसात के समय गोवर्धन पर्वत के पास पौधरोपण कराया था जिसमें जिले के राजनेताओं अनेक अधिकारियों एवं सामाजिक धार्मिक लोगों ने अपनी ओर से भी एक पौधा रोपित किया था। बांदकपुर धाम में प्रकृति पर्यावरण को संरक्षण और अभियान शिवभक्तों को प्रोत्साहन के उद्देश्य से दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर ने भी एक कदम का पौधा लगाया था। स्थानीय प्रकृति प्रेमियों द्वारा जिसकी देखभाल पानी खाद आदि की भी सेवा चल रही थी लेकिन किसी असामाजिक तत्व द्वारा उस हरे भरे पौधे और ट्री गार्ड को बहुत क्रूरता निर्दयता पूर्वक भारी वाहन ट्रैक्टर पत्थर से उखाड़ दिया गया। हालांकि पौधा अब भी बचा है। बांदकपुर धाम में पिछले कुछ समय से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार इस प्रकार की घटनाएं हो रही है।

पेट्रोल-डीजल की अफवाह से मचा हड़कंप, क्षेत्रभर में लंबी कतारें

तेंदूखेड़ा। नगर क्षेत्र सहित समनापुर, साँगा , झलौन क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर बुधवार को एवं गुरुवार की सुबह अचानक पेट्रोल एवं डीजल लेने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान दोपहिया, चारपहिया, ट्रैक्टर , बड़े वाहनों, एवं बड़े-बड़े कुप्पो को लेकर लोग पेट्रोल पंप पहुंचे जहां पर पेट्रोल डीजल लेने के लिए लंबी कतारें रही। भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल तथा नायरा पेट्रोल पंप सहित क्षेत्र के प्रमुख पेट्रोल पंपों पर स्थिति कुछ समय के लिए अव्यवस्थित हो गई, जिसे नियंत्रित करने हेतु प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा। भीड़ अधिक होने के कारण पुलिस , राजस्व विभाग तहसीलदार, नायब तहसीलदार ,आर आई, पटवारीयो तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचकर व्यवस्था बनाने में जुट गए। झलौन स्थित भारत पेट्रोलियम ,ग्राम समनापुर एवं ग्राम साँगा मै स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपो में पेट्रोल एवं डीजल दोनों पर्याप्त मात्रा में है दोनों जगह शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही पेट्रोल, डीजल दिया जा रहा है नगर तेंदूखेड़ा में स्थित तीनों पेट्रोल पंपो पर भी आम नागरिकों की भारी भीड़ रही।

राजवंश के महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य की जयंती मनाई गई

दमोह। विश्वप्रसिद्ध शक्तिशाली एवं मौर्य राजवंश के महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य की जयंती युवा कुशवाहा समाज द्वारा पुरानी जिला पंचायत में अशोक स्तम्भ पर मनाई गई. सर्वप्रथम भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे और साहू समाज के प्रदेशकार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू,..एवं कुशवाहा भाइयों ने एकसाथ सम्राट अशोक मौर्य के चित्र पर माल्यार्पण किया.उसके उपरांत श्याम शिवहरे जी ने सम्राट अशोक की जीवन गाथा सुनाते हुए कहा कि सम्राट अशोक (शासनकाल- लगभग 268-232 ईसा पूर्व) मौर्य वंश के तीसरे और सबसे महान शासक थे, जिन्होंने अखंड भारत पर शासन किया। प्रारंभ में क्रूर माने जाने वाले अशोक ने, 261 ईसा पूर्व के भयानक कलिंग युद्ध के नरसंहार से द्रवित होकर बौद्ध धर्म अपना लिया और अहिंसा, प्रेम व धम्म के मार्ग पर चल पड़े।

युवाओं के आदर्श है भगवान श्रीराम देते हैं त्याग और प्रेम की शिक्षा

रामनवमी उत्सव आज- रामभक्त बोले उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भगवान श्रीराम हमारे इष्टदेव

विशाल रजक
पीपुल्स प्रवक्ता तेन्दूखेड़ा।

भगवान विष्णु के 7 वें अवतार माने गए श्रीराम हमारे इतिहास के सबसे आदर्श पुरुषों में गिने जाते हैं पुराणों में उन्हें श्रेष्ठ राजा बताया गया है। उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है भगवान राम ने सत्य, धर्म, दया और मयार्दाओं पर चलते हुए राज किया हमारी संस्कृति और सदाचार की जब भी बात होती है तो श्रीराम का नाम लिया जाता है। ये बात श्रीराम को अपना आदर्श मानने वाले भक्तों ने कहीं लोगों का कहना है कि चैत्र नवरात्र की नवमों को श्रीराम नवमी के रुप में मनाया जाता है। इस तिथि को भगवान श्रीराम का प्राकट्योत्सव हुआ था हर साल वह राम नवमीं को धूमधाम एवं उत्साह पूर्वक मनाते हैं। आज भी भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा इसके लिए तैयारियां कर ली गई है। भगवान श्रीराम को सभी मानते हैं, लेकिन उनके जीवन से प्रेरणा कोई नहीं लेना चाहता है। यूथ का कहना है कि सांसारिक जीवन में आगे बढ़ने, नाम कमाने अर्थात ख्याति, यश, कीर्ति के लिए सदुणों और अच्छे कार्यो की बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि गुण ही किसी भी इंसान को असाधारण और विलक्षण प्रतिभा का स्वामी बना देते हैं। इंसान को अपने जीवन में सफल होने के लिए किन खास गुणों पर ध्यान चाहिए वे रामायण में रामजी के चरित्र के माध्यम से बताया गया है श्रीराम भक्त भूपेंद्र सोनी ने बताया कि आज शुक्रवार को तेन्दूखेड़ा नगर में भव्य रामनवमी पर्व मनाया जाएगा जहां नगर में भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकाली जाएगी। राहुल लोधी ठाकुर कहते हैं कि भगवान राम के बारे में जो जानते हैं, वह उनसे एक नहीं हजारों सीख ले सकता है श्रीरामायण को सुनने के बाद से ही भगवान राम को ही अपना आदर्श मानता हूं साथ ही कोशिश करता हूं कि हर कार्य उन्हीं की तरह सीमाओं में रहकर करूं साथ ही वचनबद्ध रहूं। निश्चित ही भगवान राम के त्याग और न कठिन डगर को चुनने वाले निर्णय बहुत शिक्षा देते हैं

भागीरथ रजक

पुष्पराज यादव

सतेंद्र जैन

राहुल लोधी ठाकुर तेन्दूखेड़ाः विदित तोमर कहते हैं कि हमने भगवान श्रीकृष्ण का जन्म धरती पर पढ़ा, लेकिन भगवान राम ने कैसे आम लोगों की तरह जीवन व्यतीत किया, यह पढ़कर और इसके रूपांतरित दृश्यों को देखकर आंखें नम हो जाती हैं। रामायण के हर एक शब्द से हमें प्रेरणा मिलती हैं। हम भागदौड़ भरी जिंदगी में थोड़े से कष्ट मिलने पर घबरा जाते हैं, लेकिन भगवान राम ने जीवन में क्या-क्या सहा, यह नहीं सोचते हैं

विदित तोमर तेन्दूखेड़ाः भूपेंद्र सोनी कहते हैं कि भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और उनके परिजनों ने परिवार धर्म को कैसे निभाना है बहुत अच्छे से सिखाया है। जहां भगवान राम एक आदेश पर 14 वर्ष के वनवास पर निकलने राजपाट छोड़ देते हैं वहीं छोटे भाई लक्ष्मण की बड़ेभाई राम के प्रति निष्ठा परिवार धर्म को दशार्ती है इतना ही बड़ेभाई भरत का त्याग भी भुलाया नहीं जा सकता है युवाओं को चाहिए कि रामराज्य के लिए रामराज्य को दोहराना होगा **भूपेंद्र सोनी तेन्दूखेड़ाः** अमित साहू कहते हैं कि भगवान राम का नाम लेने से ही साहस बढ़ जाता है हमने रामायण में देखा है कि कैसे भगवान राम ने वानरों का हौसला बढ़ाया और उनके साथ श्रीलंका के महान राजा रावण के अहंकार को चूर-चूर कर दिया था। भगवान राम की भक्ति में अटूट शक्ति है मुझे जब ही कुछ लगता है भगवान राम को याद करता हूं इससे बहुत साहस मिलता है

अमित साहू तेन्दूखेड़ाःभागीरथ रजक कहते हैं कि प्रभु श्रीराम स्वयं ईश्वर का स्वरूप थे बावजूद इसके उन्होंने अपना स्वाभाव नहीं तजा समुद्र लांघने के लिए प्रार्थना की, सेतु बनाया, रावण के नाश के लिए वानरों आदि की सहायता ली यही सज्जनता, सरल स्वाभाव राम के प्रति श्रद्धा पैदा करता है वे चाहते तो एक इशारे पर कुछ भी कर सकते थे लेकिन राम ने ऐसा नहीं किया। **भागीरथ रजक तेंदूखेड़ाः** तेजी सिंह ठाकुर कहते है कि तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में भगवान राम के जीवन का वर्णन करते हुए बताया है कि श्रीराम प्रातः अपने माता-पिता के चरण स्पर्श करते थे, जबकि आज चरण स्पर्श तो दूर बच्चे माता-पिता की बात तक नहीं मानते हैं श्रीराम का पूरा जीवन प्रेरणा से भरा हुआ है प्रभु को मानने के साथ ही उनके आदर्शो को मानने से ही जीवन सफल होगा। **तेजी सिंह ठाकुर तेंदूखेड़ाः** आकाश साहू कहते हैं कि बाल्मीकि रामायण में श्रीराम के ऐसे सोलह गुण बताए गए हैं, जो लोगों में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने व किसी भी क्षेत्र में अगुवाई करने के अहम सूत्र है श्रीराम और उनके आदर्श आज के समय में सामाजिक उत्थान का कारण हो सकते हैं।

वन्देमातरम 150 वर्ष अभियान : राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का सामूहिक गायन

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

वन्देमातरम के 150 वर्ष अभियान के अंतर्गत 26 मार्च को जिला स्तरीय कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं लोकतंत्र सेनानियों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र कपूर, लोकतंत्र सेनानी मोतीलाल कुशवाहा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन सुमित सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे। विधायक श्रीमती गंगाबाई उईके ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनमानस में देशभक्ति की अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज आवश्यक है कि भावी पीढ़ी ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय गीत के महत्व को समझे तथा यह जाने कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किन विषम परिस्थितियों में देश को आजादी दिलाई। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रीय गीत से प्रेरणा लेकर राष्ट्रकल्याण में सहभागी बनने का आह्वान किया। जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार ने कहा कि भावी पीढ़ी को राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज राष्ट्रीय गीत के सभी छह पदों का सामूहिक रूप से गायन किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र कपूर ने भी अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम की प्रेरणादायक भूमिका पर प्रकाश डाला।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर विद्यारंभ उत्सव का आयोजन

पीपुलस प्रवक्ता दमोह।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर विद्यारंभ उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान शाला पूर्व शिक्षा पूर्ण करने के बाद 5-6 वर्ष के बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। आंगनवाड़ी केन्द्रों पर न केवल पोषण अपितु 3-6 आयुवर्ग के बच्चों के साथ खेल आधारित शिक्षण द्वारा विकास के पांचों आयामों पर कार्य किया जाता है। बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक व नैतिक और रचनात्मक विकास शामिल है। विद्यारंभ उत्सव का उद्देश्य बच्चों के सीखने-सिखाने के क्रम को समुदाय और अभिभावकों के साथ साझा करना और बच्चों के स्कूल प्रवेश हेतु प्रमाण पत्र वितरित करना रहा। आज मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 18 में कार्यक्रम में उपस्थित वार्ड के पार्षद अमर सिंह राजपूत परियोजना अधिकारी सुलेखा ठाकुर मैडम, पर्यवेक्षक जय देवी मैडम, रामा ठाकुर मैडम, अजीम प्रेमजी की मैडम जितेश कार्यकर्ताएं किरण तिवारी कल्पना सैनी ज्योति ठाकुर कमल ठाकुर राजकुमारी गुप्ता पुष्पा ठाकुर रही। जनप्रतिनिधि संदीप पथरोल, कल्पना पथरोल, रेखा ठाकुर, मीरा रैकवार, आरब हर्षाली, सत्यम, आरव सिंह ठाकुर राजकुमारी ठाकुर उपस्थित रहे।

माता रानी के दर्शनों के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाई गई अष्टमी

आज भव्यता के साथ मनाई जाएगी रामनवमी, निकलेंगे जवारे

पीपुल्स प्रवक्ता तेंदूखेड़ा।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टमी तिथि श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस वर्ष नवरात्रि में किसी भी तिथि का क्षय न होने के कारण पूरे नौ दिनों तक पर्व मनाया जा रहा है, जिसके चलते अष्टमी गुरुवार को पड़ी। अष्टमी का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बना रहा। पंडित बलराम शास्त्री के अनुसार नवरात्रि के आठवें दिन को दुर्गाष्टमी कहा जाता है, जो मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी को समर्पित होता है। इस दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। अष्टमी के अवसर पर नगर के प्रमुख मंदिरों–पुरानी खेर माता, बड़ी खेरमाई महाकाली मंदिर, ज्वाला देवी मंदिर तथा विद्यानगर स्थित शारदा मंदिर–में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। अष्टमी के दिन घर-घर में भी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। लोगों ने अपनी कुलदेवी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर माथा टेकते नजर आए। कई घरों में कन्या पूजन का आयोजन किया गया, जहां छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। कुछ श्रद्धालुओं ने अष्टमी के दिन ही व्रत पारण किया, जबकि कई लोग राम नवमी के दिन व्रत पूर्ण करेंगे। इसी कड़ी में शुक्रवार को रामनवमी का पर्व नगर में भव्यता और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके इसके लिए नगर एवं क्षेत्र में विशेष रूप से तैयारी चल रही हैं विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजन, हवन, भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण आयोजित किए ।

भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

30 मार्च को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

भगवान महावीर स्वामी के पावन जन्मकल्याणक महोत्सव को इस वर्ष दमोह नगर में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाने की व्यापक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महोत्सव को भव्य, आकर्षक एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए समाज की सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं पूरे समर्पण के साथ तैयारियों में जुटी हुई हैं। दिनांक 30 मार्च प्रातः 7 बजे श्रीजी की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो – सिटी नल, मोहन टॉकीज, घंटाघर, राय चौराहा होते हुए नशिया जी तक निकाली जाएगी। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ, धर्म ध्वजाएं, बैंड, महिला मंडलों की झांकियां, पाठशाला के बच्चे, युवा मंडल एवं समाज के सभी वर्गों की आकर्षक सहभागिता रहेगी। यह संपूर्ण आयोजन पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के वरदानी परोक्ष आशीर्वाद एवं वर्तमान आचार्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के प्रत्यक्ष आशीर्वाद से, पूज्य मुनि श्री पद्मसागर जी महाराज ससंघ, पूज्य आर्यिका साधुमति माताजी, साधनामति माताजी ससंघ, तथा पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के आशीर्वाद एवं गणिनी आर्यिका सौम्यनंदनी माताजी, श्रुतनंदनी माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में संपन्न हो रहा है, जिससे समस्त समाज में विशेष उत्साह का वातावरण बना हुआ है। समितियां, महिला मंडल, युवक-युवती मंडल, जैन पाठशाला, जैन मिलन, सामाजिक एवं धार्मिक संगठन, सेवा समितियां एवं समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में विभिन्न व्यवस्थाओं की तैयारियां निरंतर की जा रही हैं।

आचार्य श्री समय सागर जी का द्वितीय पदारोहण दिवस भक्ति भाव से मनाया गया

हम गुरु को तो मानते हैं लेकिन गुरु की बात नहीं मानते- मुनि श्री पदम सागर

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी की समाधि उपरांत उनके आचार्य पद को धारण करने वाले आचार्य श्री समय सागर जी का द्वितीय पदारोहण दिवस देश दुनिया के साथ दमोह में भी भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री की मांगलिक पूजन के साथ विविध धार्मिक आयोजन किए गए। नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर जी में विराजमान आचार्य श्री शिष्य मुनि श्री पदम सागर जी एवं छुलल्क श्री तात्पर्य सागर जी के सानिध्य में गुरुवार सुबह मंगलमयी अभिषेक शांति धारा संपन्न हुई।

तत्पश्चात मुनि संघ के सानिध्य में आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं समय सागर जी महाराज का सामूहिक पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवकार महिला मंडल द्वारा सजाकर लाए गए अष्ट द्रव्यों से भक्ति भाव के साथ ब्रह्मचारी स्वतंत्र भैया ने आचार्य श्री पूजन संपन्न कराकर समस्त मुनि राजो को अर्घ्य समर्पित करवाए। इस अवसर पर मुनि श्री पदम सागर जी महाराज ने अपनी दिव्य देशना में आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं समय सागर जी से जुड़ी अनेक जानकारियां साझा करते हुए गुरु की महिमा का बखान किया। गुरु गोविंद दोई खड़े किसको पहले पुजू प्रसंग की चर्चा करते हुए मुनि श्री ने कहा कि गुरु और गोविंद में से पहले गुरु की पूजा करना बताया गया है। भगवान स्वयं कहते हैं कि यदि गुरु नहीं होते तो भगवान के गुणों के बारे में कौन बताता। पंच परमेष्ठी रूपी गुरु ही ऐसे हैं जो आत्म कल्याण के साथ पर के कल्याण का मार्ग भी बताते हैं। मुनि श्री ने कहा कि हम गुरु को तो मानना चाहते हैं लेकिन गुरु की बात को मनाना नहीं चाहते जबकि दोनों में सिर्फ को और की का अंतर है।

यह की वह चाबी है जो हमारे जीवन मे आध्यात्म के द्वारा धर्म का मार्ग खोलती है। गुरु की हर बात मानकर हम अपने जीवन में आध्यात्म के द्वारा मोक्ष का मार्ग खुल सकते हैं और भगवान की तरह हम भी सिद्दत्व को प्राप्त कर सकते हैं। आचार्य विद्यासागर एवं आचार्य समय सागर जी दोनों ने ही पूनम के चांद की तरह जगत में धर्म का प्रकाश फैलाने का काम किया है दोनों का ही जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ है। 2 साल पूर्व आचार्य श्री के समाधि पूर्वक मरण के पश्चात उनके निर्देशानुसार कुंडलपुर में आयोजित आचार्य पदारोहण अवसर पर आज ही के दिन निर्यापक श्रवण श्री समय सागर जी महाराज को आचार्य पद प्रदान किया गया था। जिसके 2 साल हो जाने पर आज हम सभी भक्ति भाव के साथ आचार्य पदारोहण दिवस मना रहे हैं। इस अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष नवीन निराला, महामंत्री राजकुमार रानू सहित अन्य पदाधिकारी, चंद्र कुमार, पदम खजरी, कैलाश पिपरिया, राजेंद्र अटल, पंकज मुंशी, पदम लहरी, प्रदीप दिवाकर, नितेश दाल, मुकेश हटा, चक्रेश सराफ, शैलेंद्र मयूर, संजय सराफ, वीरेंद्र जैन, कुलदीप जैन शहर बड़ी संख्या आसामी जन, महिला मंडल की उपस्थिति रही।

कृषि विभाग द्वारा जिले के विकासखंड में एग्रीस्टेक पोर्टल तथा ई विकास प्रणाली अंतर्गत उर्वरक वितरण व्यवस्था पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पीपुल्स प्रवक्ता बनखेड़ी।

जिला नर्मदा पुरम कि जनपद पंचायत बनखेड़ी के सभा कक्ष में दोफेहर12ः00 से प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ था जिस में सहायक संचालक कृषि शैलेंद्र राठौर द्वारा बताया गया कि एग्रीस्टेक पोर्टल पर भूमिधारी किसान,वन अधिकार पट्टा धारक किसान, ट्रस्टपट्टा वाले किसान,सिकमी किसान, मृत किसान जिनकी भूमि का नामांतरण लंबित है, शारीरिक रूप से अक्षम एवं वृद्ध किसान तथा संयुक्त खाताधारक किसान कैसे अपना एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन कराकर ई टोकन के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर प्रशांत बान जिला केंद्रीय एवं सहकारी बैंक नर्मदापुरम,रामजीवन निमोदा उप प्रबंधक मार्कफेड,पटवारी विजय ऊपराले, मोनिश अवस्थी के साथ बनखेड़ी विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुश्री रूपल राजपूत, पटवारी, सचिव,रोजगार सहायक, प्राइमरी कृषि साख सहकारी समिति के समिति प्रबंधक, डबल लॉक केंद्र के गोदाम प्रभारी के साथ कृषि विभाग का मैदानी अमला भी उपस्थित रहा। उप संचालक कृषि डॉक्टर कृषि विभाग द्वारा जिले के विकासखंड बनखेड़ी में एग्रीस्टेक पोर्टल तथा ई विकास प्रणाली अंतर्गत उर्वरक वितरण व्यवस्था पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सहायक संचालक कृषि शैलेंद्र राठौर द्वारा बताया गया कि एग्रीस्टेक पोर्टल पर भूमिधारी किसान,वन अधिकार पट्टा धारक किसान, ट्रस्टपट्टा वाले किसान,सिकमी किसान, मृत किसान जिनकी भूमि का नामांतरण लंबित है, शारीरिक रूप से अक्षम एवं वृद्ध किसान तथा संयुक्त खाताधारक किसान कैसे अपना एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन कराकर ई टोकन के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर प्रशांत बान जिला केंद्रीय एवं सहकारी बैंक नर्मदापुरम,रामजीवन निमोदा उप प्रबंधक मार्कफेड,पटवारी विजय ऊपराले, मोनिश अवस्थी के साथ बनखेड़ी विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुश्री रूपल राजपूत, पटवारी, सचिव,रोजगार सहायक, प्राइमरी कृषि साख सहकारी समिति के समिति प्रबंधक, डबल लॉक केंद्र के गोदाम प्रभारी के साथ कृषि विभाग का मैदानी अमला भी उपस्थित रहा। उप संचालक कृषि डॉक्टर रविकांत सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण जिले के सभी विकासखण्ड में आयोजित किया जाएगा। सभी विकासखण्ड में आयोजित किया जाएगा।

जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह का निर्वाचन सम्पन्न, सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह की आवश्यक निर्वाचन बैठक गरिमामय, अनुशासित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महावीर प्रार्थना से हुआ तथा समापन अर्हत स्तुति के साथ किया गया। बैठक में सर्वप्रथम वीर सचिंद्र जैन द्वारा शाखा का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया।

जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसके पश्चात मंत्री वीर संजीव जैन शाकाहारी द्वारा गत वर्ष का मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें वर्ष भर में सम्पन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का विस्तृत विवरण रखा गया। प्रतिवेदन को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक के दौरान शाखा में जुड़े नए सदस्यों वीर सतीश जैन, वीर सीतेश जैन, वीर विकास जैन रानू एवं वीर अतुल जैन (सीए) का स्वागत किया गया तथा उनसे संगठन की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया गया। इसके पश्चात नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों वीर आनंद जैन , अतिवीर राकेश जैन हरदुआ एवं वीर प्रमोद जैन बड़कुल के निर्देशन में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। निर्वाचन में निम्न पदाधिकारी निर्वाचित हुए – अध्यक्ष – वीर मुकेश जैन मम्मा ,मंत्री – वीर महेंद्र जैन सोमखेड़ा,कोषाध्यक्ष – वीर जिनेंद्र जैन मंडला,प्रचार मंत्री – वीर सुनील जैन वेजिटेरियन, अध्यक्ष पद हेतु वीर मुकेश जैन मम्मा एवं वीर राजेश जैन हिनोती के नाम प्रस्तावित हुए थे, किन्तु संगठन की एकता को सर्वोपरि रखते हुए वीर राजेश जैन हिनोती ने अपना नाम वापस ले लिया।

जिससे सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ। उपस्थित सदस्यों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन की एकजुटता का प्रतीक बताया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह श्रीमंत सेठ संतोष सिंघई जी, पूर्व अध्यक्ष, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि संतोष सिंघई जी ने कहा कि सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ।